Literacy for a Billion

Movie: Tezaab
Year: 1988

Song: Keh Do Ke Tum
Lyricist: Javed Akhtar

कह दो के तुम
हो मेरी वरना
जीना नहीं मुझे है मरना
कह दो के तुम
हो मेरी वरना
जीना नहीं मुझे है मरना

देखो कभी ना ऐसा कहना
देखो कभी ना ऐसा करना

यही अदा तो इक सितम है
सुनो तुम्हें मेरी क़सम है

कह दो के तुम
हो मेरी वरना
जीना नहीं मुझे है मरना

कल दिल दुखाया था
मैंने तुम्हारा
इस बात का
आज तक मुझको है ग़म
ये सोच के

माफ़ कर देना मुझको
मेरी ये पहली
मोहब्बत है जानम
मोहब्बत है जानम

यही अदा तो इक सितम है

सुनो तुम्हें मेरी क़सम है

कह दो के तुम
हो मेरी वरना
जीना नहीं मुझे है मरना

तुम आज मुझसे
ये इक वादा कर लो
फिर ना कोई भी
शरारत करोगे
जितनी मोहब्बत
मैं करती हूँ तुमसे
मुझसे तुम उतनी
मोहब्बत करोगे
मोहब्बत करोगे

यही अदा तो इक सितम है
सुनो तुम्हें मेरी क़सम है

कह दो के तुम
हो मेरी वरना
जीना नहीं मुझे है मरना

शिकवे गिले शिकवे गिले
शिकवे गिले
सब हैं कल की कहानी
अब ज़िन्दगी भर
ख़फ़ा हम ना होंगे
अब मैं तुम्हारा हूँ

और बस तुम्हारा
मर जाऊँ भी तो
जुदा हम ना होंगे
अब ख़फ़ा हम न होंगे
बेवफ़ा हम न होंगे
यही अदा तो इक सितम है
सुनो तुम्हें मेरी क़सम है

कह दो के तुम
हो मेरे वरना
जीना नहीं मुझे है मरना

देखो कभी न ऐसा करना
देखो कभी न ऐसा कहना

यही अदा तो इक सितम है
सुनो तुम्हें मेरी क़सम है

यही अदा तो इक सितम है
सुनो तुम्हें मेरी क़सम है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.